BSNLEU
P. Abhimanyu
General Secretary

BSNL EMPLOYEES UNION
Central Head Quarters

Ph.: 011-25705385
Fax : 011-25894862

Main Recognised Representative Union.
Dada Ghosh Bhawan, 2151/1, New Patel Nagar,
Opp. Shadipur Bus Depot, New Delhi-110008
E-mail : bsnleuchq@gmail.com, Website : www.bsnleu.in

प्रेस नोट **दिनांक: 25.06.2020**

BSNL कर्मचारी यूनियन (BSNLEU), BSNL में मुख्य मान्यता प्राप्त यूनियन का दर्जा हासिल है, यह संघटन देशव्यापी धरना का आयोजन दिनांक 26.06.2020 को कर रहा है। जिसमें निम्नलिखित मुद्दों को निपटाने की मांग की है। COVID-19 महामारी के मद्देनजर, BSNLEU ने फैसला किया है कि बड़े शहरों में केवल 10 कर्मचारि इस कार्यक्रम में भाग लेंगे और केवल 5 कर्मचारि अन्य सभी स्थानों पर भाग लेंगे। यूनियन ने सभीको सामाजिक दूरी बनाए रखने पर जोर दिया है और हिस्सा लेने वाले सभी साथी द्वारा मास्क पहनाना अनिवार्य है।

BSNL की 4 जी सेवा शुरू करने में आत्याधिक देरी।

दिनांक 23-10-2019 को, केंद्र सरकार ने BSNL/MTNL के लिए 69,000 करोड़ रुपये के पुनर्जीवन पैकेज की घोषणा की थी। अन्य बातों के अलावा, पुनर्जीवन पैकेज में BSNL को 4 जी स्पेक्ट्रम का आवंटन, संपत्ति का मुद्रीकरण (monitisation) शामिल है। और सम्प्रुभता की गारंटी, BSNL को आर्थिक रूप में सक्षम बनाने के लिए धन को जुटाने के लिए बाजार में बॉन्ड जारी करने के अधिकार इत्यादि.।

हालांकि, VRS के कार्यान्वयन को छोड़कर, 8 महीने के अंतराल के बाद भी, कोईभी अन्य आश्वासन जो पुनर्जीवन पैकेज में सम्मिलित किया गया था उसपर कोई विशेष कारवाई नही की गयी । 4 G सेवा शुरू करनेमें जो अत्यधिक देरी देखी गई है जो हमारे कर्मचारियों के लिए तथा BSNL कंपनी के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। जिसके कारण BSNL अच्छी सेवा देने के अपने कोशिश से ही पिछड़ रहा है, लगभग गत 4 साल से निजी ऑपरेटर, यह 4 जी सेवा देते आ रहे है। BSNL का पुनर्जीवन 4 G सेवा के बिना संभव नही है यह एक सत्य है। 4 जी सेवा BSNL ना दे इसलिए कुछ बाहर की ताकते भी अपना प्रभाव डाल रही है जो काफी गंभीर चिंता का विषय है। अपने निहित स्वार्थो के लिए 4 G सेवा को बंधक बनाने का प्रयास किया जा रहा हैं।BSNL द्वारा के 4 G सेवा शुरू करने के लिए कंपनी ने 4 जी के उपकरणों की खरीद के लिए निविदा मंगाई गई थी। लेकिन TEPC के द्वारा दी गई तथ्यहीन और भड़काऊ शिकायत के आधार पर नये उपकरणों के खरीद पर सरकार द्वारा रोक लगाई गई है।

दूरसंचार उपकरण और सेवा संवर्धन परिषद (TEPC)

की आपत्ति है, BSNL "मेक इन इंडिया पॉलिसी" का उल्लंघन कर रहा है। TEPC यह मांग कर रहा है की 4 जी के उपकरणों के खरीद के लिए विदेशी कंपनियों को बीएसएनएल की निविदा प्रक्रिया में भाग लेने से रोक दिया जाना चाहिए।। जब सभी निजी ऑपरेटर अंतरराष्ट्रीय स्तर के विक्रेताओं से विश्व स्तरीय 4 जी उपकरणों की खरीद कर रहे हैं, तो क्यों BSNL को अकेले ही घरेलू विक्रेताओं से उपकरणों की खरीद करने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए। हमारे भारतीय विक्रेताओं के पास की 4 G तकनीक अबतक सक्षम साबित नहीं हुई है। इसके अलावा, उनके पास बड़े नेटवर्क के प्रबंधन (मेंटेनेस) का अनुभव भी नहीं है। इसलिए, भारतीय विक्रेताओं से 4 जी उपकरणों की खरीद के लिए BSNL को ही मजबूर करना ठीक नही है । तथा स्पर्धात्मक युग मे निजी दूरसंचार सेवा प्रदान करने वाले कंपनियों के तरह BSNL को भी उचित मौका दिया जाना चाहिए।

BSNLEU के विचार में, TEPC और कुछ नहीं है, लेकिन एक औजार है, जिसका उपयोग निहित स्वार्थों (वेस्टेड इंटरेस्ट) द्वारा किया जा रहा है, ताकि BSNL 4 जी उपकरणों की खरीद कर ना सके। यह समझना मुश्किल नहीं है कि BSNL की 4 जी सेवा शुरू होने में अगर देरी होती है तो इसका सबसे ज्यादा फायदा किसे होनेवाला है। BSNL के हर एक कर्मचारि को यह मानने का उचित कारण है कि, क्यो BSNL के 4 G सेवा को रोकने साजिश रची जा रही है।। इसके अलावा, यह समझने के लिए सबसे अधिक परेशानी यह है कि इन निहित स्वार्थ के लिए सिर्फ BSNL 4 G सेवा शुरू होने से पहले ही उसे जल्दबाजी में बाहर का रास्ता दिखाने पे कुछ गलत शक्तियां आमादा है , यह सब गतिविधिया हमे दिखाती है कि इनके सिर पर सरकारी तंत्र का आशीर्वाद हैं। अन्यथा, किसी TEPC के भड़काऊ शिकायत पर BSNL के 4 जी टेंडर को रोके रखना। इसलिए, BSNLEU इसकी मांग करता है की जो टेंडर पहले ही मंजूर हो चुका है उसकेही माध्यम से BSNL को तुरंत 4 जी उपकरण खरीदने के लिए मंजूरी सरकार द्वारा जारी की जाए।

बीएसएनएल के पुनर्जीवन पैकेज का गैर-कार्यान्वयन।

पहले ही 8 महीने निकल चुके है, जब BSNL के लिए पुनर्जीवन पैकेज भारत सरकार द्वारा घोषित किया गया है। जैसे की इस पैकेज के अनुसार, 79,000 कर्मचारियोको VRS के तहत पहले ही सेवानिवृत्त करके छटनी की जा चुकी है। हालांकि, VRS को छोड़कर,अन्य उपायों को अबतक लागू नही किया गया या फिर उसका कुछ कार्यन्वयन नही हुआ है, जैसा कि पुनर्जीवन पैकेज में आश्वस्तित किया गया था। इसमें बहुत प्रचारित कदम, जैसे बीएसएनएल की 4 जी सेवा शुरू करना, बीएसएनएल को धन जुटाने के लिए स्वयंप्रभुता की गारंटी के लिए बाजार में बॉन्ड जारी करना, BSNL के संपत्ति का मुद्रीकरण करना, आदि, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अभी तक इन उपाययोजना पर कोई भी काम नही हुआ है । इसलिए, यह मांग की जाती है कि, BSNL के पुनर्जीवन पैकेज के अंतर्गत जो भी आश्वासन दिए गए थे उसे तत्काल प्रभाव से लागू करने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए।

BSNL मैनेजमेंट द्वारा मुद्दों का निपटान नहीं किया गया

BSNL मैनेजमेंट कर्मचारियो के मुद्दों को निपटाने में कोई आस्था नहीं है और पूरी तरह से नकारात्मक रवैया अपना रहा है। 79,000 कर्मचारी VRS के तहत सेवानिवृत्त होने के बाद भी, सिर्फ 70,000 कर्मचारी बचे है इनका भी मासिक वेतन समय पर प्राप्त नही होता। मई, 2020 के महीने में, BSNL ने राजस्व के रूप में 1,400 करोड़ रुपये कमाए। लेकिन वेतन भुगतान के लिए केवल 350 करोड़ प्रति माह की आवश्यकता होती है। फिर भी, मई महीने के वेतन का भुगतान नहीं किया गया है, जब तक यह बयान प्रेस में नहीं जाता। BSNL में कार्यरत ठेका मजदूरों को उनका वेतन/ मजदूरी का भुगतान लगभग पिछले एक साल से नही किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप 12 कॉन्ट्रैक्ट/ठेका मजदूर पहले ही आत्महत्या कर चुके हैं जो काफी दर्दनाक और किसीभी सभ्य समाज के लिए क्लेशदायक है। BSNL मैनेजमेंट ने श्रम और वित्त मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए महत्वपूर्ण निर्देशों का स्पष्ट रूप से उल्लंघन किया है जो लॉक-डाउन अवधि के दौरान कॉन्ट्रैक्ट/ठेका श्रमिकों के वेतन भुगतान के संभदित थे। इसके अलावा, बड़े पैमाने पर मैनेजमेंट द्वारा ठेका मजदूरों की छंटनी लगातार की जा रही, जिससे कारण BSNL संचालन और रखरखाव (Operation एंड Maintenance) के कार्य में गंभीर स्वरूप की बाधा आएगी।

नॉन एग्जेक्युटिव कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित नहीं किया गया गहैं पिछले कई सालों से जो पहले समय समय पर आयोजित की जाती थी। कर्मचारियों के वेतन से LIC प्रीमियम और सहकारिता सोसाइटी की किश्ते काटे गयी लेकिन इन राशियों को पिछले एक वर्ष से संबंधित संगठनों को प्रेषित (भेजा) नहीं किया गया है। इसके वजह से कर्मचारियों की समस्याएं और बढ़ी है और उन्हें बेवजह आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है। जब पुरे दुनिया पर वैश्विक महामारी का खतरा फैला है ठीक ऐसे कठिन समय में जब आत्यवशक सेवा के रूप में BSNL कर्मचारि COVID-19 से झूज रहे है, उससमय कैशलेस मेडिकल उपचार नहीं किया जा रहा है, जैसा कि BSNL की अपनी चिकित्सा प्रतिपूर्ति योजना (मेडिकल फैसिलिटी) में आश्वासन दिया गया है (BSNL Medical Reimbursement scheme)। दूसरी ओर, मैनेजमेंट मौजूदा चिकित्सा सुविधाओं पर भी अंकुश लगा रहा है जिसके कारण वार्षिक चिकित्सा राशि को काफी कम कर दिया गया है। BSNLEU लगातार मैनजमेंट के साथ चर्चा एवंम चिट्टियां लिखकर कर्मचारियों की कई वास्तविक शिकायतों और कठिनायोंको उठा रहा है। हालांकि, इन न्यायोचित मुद्दों को निपटाने में मैनेजमेंट के और से कोई भी सकारात्मक भूमिका नही ली जा रही है । यह विषय काफी अफ़सोस जनक और बहुत परेशान करने वाला है कि जो मुद्दा आर्थिक विषयों से जुड़ा नहीं है ऐसे मुद्दे भी हल करने के लिए BSNL मैनेजमेंट आनाकानी कर रहा है यह अजीब भूमिका सभको अचंभित करनेवाली है।

उपरोक्त परिस्थितियों के कारण मैनजमेंट द्वारा मुख्य मान्यता प्राप्त यूनियन BSNLEU को इस धरने को आयोजित करने के लिए बाध्य किया गया है। यदि फिरभी सरकार और मैनजमेंट इन सही मुददो को सुलझाने के लिए बिना समय गवाए आगे नहीं आयेगी तो हमे मजबूरन अपने इस आंदोलन को और तेज करना पड़ेगा।

पी अभिमन्यु
महासचिव,
बीएसएनएल कर्मचारी यूनियन
मोबाइल नंबर: 9868231113